संदेसो | By Shital Chandak Sharma

आई भादि मावस आई
उडीके है महामाई
मेलो लगायो है महारानी
टाबरिया के ताई
सारे भक्ता के चाव सवायो है
झुँझन वाली को संदेसो आयो है

कोई माँ की चुनरी ल्यावे
कोई सोने को चुड़लो बनावे
जगह जगह से माँ का टाबर
धूम धाम से आवे
भगता को मनडो घणो हरषायो है
झुँझन वाली को संदेसो आयो है

टाबरिया मेहँदी ल्यावे
ल्याके दादी के लगावे
रकम रकम के फुलड़ा सु
मैया को गजरो बणावे
चाँद भी मैया के आगे शरमायो है
झुँझन वाली को संदेसो आयो है

सारे जग की या धिराणी
म्हारी मोटी सेठाणी
भर भर लुटावे है भण्डारो
जगदम्बे कल्याणी
गोलू जो मांग्यो मैया से पायो है
झुँझन वाली को संदेसो आयो है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%82%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%b8%e0%a5%8b-by-shital-chandak-sharma/